उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

पूरक परीक्षा–जुलाई, 2015

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कूटबंध सं. 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

कक्षा XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/ मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/2/2	2/1/3		
1	1	2	1	**खंड क** **अपठित गद्यांश**	15
	क	क	क	• 'मनुष्य और सौंदर्यबोध' • सौंदर्यबोध में साहित्य की भूमिका • साहित्य : हमारा मार्गदर्शक (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
	ख	ख	ख	**साहित्य स्रष्टा** • साहित्य सृजन करने वाला, लेखक **साहित्य–प्रेमी–** • साहित्य का रसास्वादन करने वाला। • साहित्य की भावनाओं से तथा मनुष्य की भावनाओं से	1+1=2

				प्रेम। • मनुष्य का प्रत्येक वस्तु में सौंदर्य देखने का स्वभाव। • प्रेम के कारण असुंदर को भी सुंदर मान लेना।	1+1
	ग	ग	ग		
	घ	घ	घ	<u>उच्छृंखलता–</u> • संयम न होना। • आचरण की कुरूपता। **<u>सौंदर्य–प्रेम–</u>** • संयम होना • सामंजस्य होना।	
	ङ	ङ	ङ	• संयम और सामंजस्य का न होना। • परायी बहू–बेटियों को घूरना। • दूसरों के भावों का आदर न करना।	2
	च	च	च	• संयम सौंदर्य बोध को विकसित करने का आधार है। • जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की शक्ति को विकसित करता है।	2
	छ	छ	छ	• जटिलताओं से मुक्त होने के लिए। • मानवीय भावों को सही ढ़ंग	2

				से पहचानने के लिए। • जीवन को समझने के लिए।	½+½=1
	ज	ज	ज	• उपसर्ग– उत् • प्रत्यय– ता	
	झ	झ	झ	• सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य–स्रष्टा होने के साथ–साथ साहित्य–प्रेमी भी होते हैं। **अथवा** सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य–स्रष्टा होते हुए भी (न होने पर भी) साहित्य प्रेमी होते हैं।	1
2.	2 क	1 क	2 क	**अपठित काव्यांश** • उतार–चढ़ाव जैसी कठिनाइयों का सामना करना। सतत प्रवाहमान रहना।	1X5=5 1
	ख	ख	ख	• दूध की तरह जल से पोषण मिलना। • हिमालय से निकलने के कारण बर्फ जैसा सफेद रंग।	1
	ग	ग	ग	• नदी की तरह जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक कठिनाइयों से जूझने की चंचलता एवं व्याकुलता।	1

	घ	घ	**घ**	• जीवन बहुत सुंदर और अनमोल। • अथक परिश्रम द्वारा कठिनाइयों को परास्त करते हुए आगे बढ़ना।	**1**
	ङ	ङ	**ङ**	• धरती को।	**1**
3	**3**	3	**3**	**खंड ख** **<u>निबंध लेखन</u>** • भूमिका –1 • विषय वस्तु– 3 • भाषा – 1	**5**
4	**4**	4	**4**	**<u>पत्र–लेखन</u>** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ –1 • विषयवस्तु –3 • भाषा –1	**5**
5	**5**	–	**–**	**संक्षेप में उत्तर** –	**1×5=5**
	क	–	**–**	• विषय विशेष पर विशेषज्ञता के साथ लिखा गया लेखन।	**1**
	ख	–	**–**	• चरित्र हनन की दृष्टि से सनसनीखेज़ समाचारों का संग्रहण एवं प्रसारण।	**1**
	ग	–	**–**	• एक सुव्यस्थित, सृजनात्मक	

				एवं आत्मनिष्ठ लेखन।	1
	घ	–	–	• प्रिंट माध्यम, इलेक्टॉनिक माध्यम।	1
	ङ	–	–	• उल्टा पिरामिड शैली।	1
	–	5 क	–	• रेडियो, टेलिविज़न, समाचार–पत्र,पत्रिकाएँ(कोई दो)	1
	–	ख	–	• हंस, सरस्वती, प्रताप (अन्य भी स्वीकार्य)	1
	–	ग	–	• मुद्रित माध्यम से। • प्रकाशित समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ।	1
	–	घ	–	• संवाददाता द्वारा भेजी गई खबरों तथा सामग्री को पठनीय बनाना।	1
	–	ङ	–	• गुप्त रूप से किया जाने वाला कार्य जो किसी भ्रष्टाचार, घोटाले या रिश्वतखोरी को उजागर करता है।	1

	–	–	5 क	• तीन प्रकार के– पूर्णकालिक, अंशकालिक, फ्रीलांसर	½+½=1
	–	–			
	–	–	ख	• इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान–प्रदान।	1
	–	–			
			ग	• क्या, कौन, कब, कहाँ, कैसे, क्यों।	1
	–	–	घ	• सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्रों में होने वाले कामकाज पर निगाह रखना तथा किसी भी तरह गड़बड़ियों का पर्दाफाश करना।	1 1
			ङ	• वस्तुनिष्ठता। • समसामयिक।	
6	6	6	6	<u>फीचर/रिपोर्ट लेखन–</u> • विषय वस्तु – 2 • रोचकता प्रस्तुति–2 • भाषा – 1	5
7	7	7	7	<u>आलेख लेखन–</u> • विषय वस्तु – 2 • प्रभावी प्रस्तुति –2 • भाषा –1	5

8	8 क	— क	8 क	**खंड—ग** **काव्यांश पर आधारित प्रश्न** • वर्षा ऋतु के बाद शरद ऋतु का आगमन। • चारों ओर उल्लास का वातावरण। • साइकिल चलाते हुए, घंटी बजा कर सूचना देकर। • प्रकृति का और अधिक सुंदर होकर।	**2×4=8** 2
	ख	ख	ख	• खरगोश की आँखों से। • सुबह की लालिमा का स्पष्ट अनुभव।	2
	ग	ग	ग	• स्वच्छ एवं स्पष्ट आकाश बच्चों को पतंग उड़ाने के लिए बुलाता हुआ लगता है। • बच्चों की कल्पनाशीलता एवं स्वभाव का चित्रण।	2
	घ	घ	घ	• आसमान इतना कोमल ओर साफ है जिसमें पतंग को उड़ाने के लिए पर्याप्त स्थान है। • बच्चे ऊँचाई तक पतंग उड़ा सकते हैं।	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	• कवि कागज़ के पन्ने को खेत मानता है।	

				• जिस प्रकार खेत में बीज बोकर अन्न उपजाया जाता है उसी प्रकार हृदय में उमड़ी भावनाओं को कागज़ पर व्यक्त किया जाता है।	1+1=2
	ख	**ख**	**ख**	• भावनाओं की आँधी। • विचारों की उथल–पुथल।	2
	ग	**ग**	**ग**	• शब्दों में भावाभिव्यक्ति का विकास होना • रचनाशील होना। • सांसारिक और व्यावहारिक अनुभव से रचना करना।	2
	घ	**घ**	**घ**	• जिस प्रकार पत्तों और पुष्पों से छाया और सौरभ प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार सृजित रचना से आनंद की अनुभूति होती है।	2
9	**9 क**	**8 क**	**9 क**	**<u>काव्यांश पर आधारित प्रश्न–</u>** • रूबाई छंद का प्रयोग। • उर्दू शब्दों के साथ सरल हिंदी।	2×3=6 2
	ख	**ख**	**ख**	• रूपक अलंकार–चाँद रूपी बालक। • पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार–रह–रह।	2

				• वात्सल्य रस	
	ग	ग	ग	• माँ अपने बच्चे को अपने हाथों से झुलाती है, गोद में लेती है। • हवा में उछालती है, बच्चा खुश होता है, हँसता है।	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	• तुलसी द्वारा पक्षी, साँप और हाथी के माध्यम से राम की मनोदशा का चित्रण किया है। • पक्षी बिना पंख के। • साँप बिना मणि के। • हाथी बिना सूँड के वैसे ही राम बिना भाई के दुखी हैं।	2
	ख	ख	ख	• तत्सम प्रधान अवधी भाषा। • करुण रस। • अनुप्रास एवं विभावना अलंकार। • दोहा, छंद।	2
	ग	ग	ग	• अनुप्रास अलंकार • करिवर कर हीना • बंधु बिन तोही . . . आदि।	2
10	10 क	10 क	10 क	• माँ की प्रतीक्षा में।	2×3=6

				• भोजन की आशा में। • चिंता में।	3
	ख	**ख**	**ख**	• सूर्योदय के पहले से सूर्योदय तक के दृश्यों से प्राकृतिक हलचल। • भोर में राख द्वारा चूल्हे का लीपा जाना। • सिल, खड़िया या चौके का दृश्य। • आसमान के रंगों का बदलना। • तालाब में युवतियों का स्नान। • ग्रामवासियों का कार्य हेतु प्रवृत्त होना।	3
	ग	**ग**	**ग**	• भाव के अनुकूल भाषा का प्रयोग आवश्यक। • भाव उलझ कर अभिव्यक्त नहीं हो पाता। • अतः उलझन से बच कर भावानुकूल सरल भाषा का प्रयोग।	3
11	**11 क**	**12 क**	**11 क**	**<u>पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न–</u>** • मन भावों से भरा हुआ था। • मनोवेग चेहरे पर झलक रहे थे। • हसरत भरी नज़रों से, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और	2×4=8 2

				भिंचे हुए होंठों से अपनी लाचारी को व्यक्त कर रही थी।	
	ख	**ख**	**ख**	• अटारी स्टेशन सरहद पर है। • यहाँ पर हिन्दुस्तानी और पाकिस्तानी पुलिस की अदला–बदली होती है।	2
	ग	**ग**	**ग**	• एक जमीन, एक जबान। • एक सी सूरतें, लिबास तथा सब कुछ एक जैसा। • एक–दूसरे का स्वागत करने का अंदाज भी एक जैसा। • इन समानताओं में भी देशों की पहचान।	2
	घ	**घ**	**घ**	• दोनों ओर अविश्वास । • एक–दूसरे के प्रति दुश्मनी। • बदला लेने का भाव। • अपने–अपने देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध।	2
	अथवा **क**	**अथवा** **क**	**अथवा** **क**	**अथवा** • रसों का संबंध भावनाओं से है। • भावों के अनुसार कलाकृति से आनंद की अनुभूति।	2
	ख	**ख**	**ख**	• जीवन में उतार–चढ़ाव तथा	

				सुख–दुख आते रहते हैं। • जीवन की सभी स्थितियों को सहर्ष स्वीकारना ही श्रेयस्कर।	2
	ग	ग	ग	• दूसरों के दुख या पीड़ा से उत्पन्न। • स्वयं अनुभव न कर दूसरों के माध्यम से अनुभव करना।	2
	घ	घ	घ	• करुणा का हास्य में बदल जाना। • भारतीय परंपरा में दूसरों के दुख से उत्पन्न हास्य दिखाई पड़ता है, स्वयं पर हास्य की स्थिति वहाँ दिखाई नहीं पड़ती।	2
12	12 क	11 क	12 क	**<u>किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर</u>** • वास्तविक नाम लक्ष्मी परंतु उसके जीवन में अभाव एवं संघर्ष। • नाम एवं जीवन परिस्थितियों में अंतर। • वह सामाजिक व्यंग्य का सामना नहीं करना चाहती। • 'भक्तिन' को यह नाम महादेवी द्वारा दिया गया। • विशिष्ट सेवा–भक्ति के कारण यह नाम दिया गया।	3×4=12 3

	ख	**ख**	**ख**	• बाजार का जादू, उसके प्रति विचित्र आकर्षण को कहा गया है। • इसके चढ़ने पर व्यक्ति अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करने लगता है। • अति स्वाभिमानी हो जाता है। • जादू उतरने पर वह संयमी हो जाता है। • आवश्यक वस्तुओं को ही खरीदता है। • बाजार की उपयोगिता समझ पाता है।	3
	ग	**ग**	**ग**	• यह पानी अर्ध्य है, दान दोगे तभी भगवान पानी देंगे। • पाँच–छह सेर गेहूँ बोने पर अधिक पैदावार। (समीक्षा में बच्चों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)	3
	घ	**घ**	**घ**	• गाँव के लोगों में संजीवनी भरने का काम। • कमजोर आँखों में शक्ति का संचार। • मृत्यु से भयभीत न होना।	3
	ङ	**ङ**	**ङ**	• संन्यासी सुख–दुख में भी	

				समभाव से रहता है। • शिरीष भी समभाव से सर्दी–गर्मी में जीवित रहता है। • वातावरण से अमृत खींच कर प्रसन्न रहता है। • संन्यासी की भाँति अविचल–अनासक्त।	3
13	**13**	—	—	**<u>मूल्यपरक प्रश्न</u>** • दृढ़ निश्चय। • आत्मविश्वास। • लगन। • समर्पण। • साहस। • संघर्ष करने की शक्ति। • बड़ों का सम्मान। (इन मूल्यों की समीक्षा हेतु विद्यार्थियों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)	5
	—	**13**	—	• आदर्शवादी हैं, समझौता नहीं कर पाते। • अपनी पंरपराओं से मुक्त नहीं होते। • किशन दा के व्यक्तित्व से	

	—	—	13	बेहद प्रभावित। • वक्त के पाबंद। • दिखावा व फिजूल खर्च के खिलाफ। • वर्तमान मूल्यों का आदर तो करते है परंतु अपनाने से परहेज करते हैं। (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उपयुक्त उदाहरण एवं तर्क स्वीकार्य) • आर्थिक विपन्नता के कारण पढ़ने के साधन तथा अवसर का नहीं मिलना। • पढ़ाई के लिए जिज्ञासु बच्चे को समाज में उचित माहौल का नहीं मिलना। • संघर्ष तथा परिश्रम को अपना ध्येय मानना। बदलाव – • आज बदलाव आया है, लेकिन विद्यार्थियों के मूल्यों में गिरावट। • सुविधा, अवसर का दुरुपयोग। • दूर–देहात में आज भी बदलाव नहीं, उपेक्षा का शिकार। • जातिवाद आज भी कायम।	

				(जीवन मूल्यों से संबंधित उत्तर विद्यार्थियों की समझ के अनुसार स्वीकार्य)	
14	**14 क**	**14 क**	**14 क**	**<u>दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–</u>** • आदर्शवादी, समय का पाबंद। • फिजूलखर्ची से बचना। • सहज, सरल जीवन जीने में विश्वास। • काम के प्रति समर्पित। इन मूल्यों के साथ वर्तमान समय में जीना तथा काम करना कठिन क्योंकि जीवन में अधिक पाने की इच्छा तथा अतृप्ति अधिक हावी है। (विद्यार्थियों की समझ के अनुरूप उचित अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)	5×2=10
	ख	**ख**	**ख**	• द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाज़ियों के अत्याचार का प्रमाण। • हजारों यातना शिविरों, बंधुआ मज़दूरों आदि के उत्पीड़न का साक्ष्य। • यहूदियों पर हुए अत्याचार तथा भय के साये में जीवन का प्रमाण प्रस्तुत है। • अपने आस–पास किसी प्रिय और भरोसेमंद मित्र के न होने के कारण अपनी भावना को अपनी प्यारी गुड़िया	

				किट्टी को संबोधित कर लिखी।	
	ग	ग	ग	• अपने मराठी के शिक्षक से प्रभावित होकर। • शिक्षक की तर्ज पर स्वयं अन्य काम करते हुए कविता गाना, उनकी ताल से अलग ताल पर कविता बैठा कर गाना। • शिक्षक द्वारा लिखी कविता 'मालती के बेल' कविता पढ़ कर, फसलों पर, जंगली फूलों पर तुकबन्दी। • शिक्षक द्वारा पढ़ते समय स्वयं कविता में रम जाना। • सुरीला गला, छंद, यति–गति तथा रसिकता के साथ कविता पढ़ना।	